

प्रेसविज्ञप्ति

स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

पटना, 12 अगस्त 2025. आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड

मास कम्युनिकेशन में मंगलवार को इंडिया टुडे ग्रुप के सहयोग से साइबर सुरक्षा पर एक



दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम इंडिया टुडे ग्रुप की पहल 'प्रोजेक्टशील्ड' के तहत आयोजित किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को बढ़ते साइबर अपराधों के बीच साइबर सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना था।

इस अवसर पर मुख्यवक्ता के रूप में इंडिया टुडे ग्रुप के सीनियर एग्जीक्यूटिव एडिटर श्री बालकृष्णा उपस्थित थे। उनके साथ स्टैंडअप कॉमेडियन तथा मोटिवेशनल स्टोरीटेलर श्री प्रियेश सिन्हा और यूनिसेफ के बालसंरक्षणविशेषज्ञ श्री बांकुबिहारी सरकार ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

श्री बालकृष्णा और श्री प्रियेश सिन्हा ने अपने साझासंबोधन में साइबर सुरक्षा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम सब अपनी जानकारी को अनजाने में सार्वजनिक कर देते हैं। एक मजबूत पासवर्ड साइबर अपराध से बचाव का एक माध्यम है। श्री बालकृष्णा ने बताया कि यदि जरूरी नहीं है तो अपनी सही जानकारी साझा न करना भी एक तरीका हो सकता है, पर यह स्वाभाविक नहीं है। सबसे अधिक बुजुर्ग लोग प्रभावित होते हैं। साइबर ठग अक्सर हमारे डर और भावनाओं के साथ खेलते हैं। उन्होंने बताया कि भारतवर्ष में करीब 60 करोड़ रुपए रोज लोगों से साइबर फ्रॉड के द्वारा ठगे जा रहे हैं।



विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री निरंजन प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि इस ज्वलंत मुद्दे पर आज विश्वविद्यालय में चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि इस विषय पर समाज को जागरूक करने की जरूरत है। भविष्य में हम कोशिश करेंगे कि विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों में इस विषय पर कार्यक्रम का आयोजन करें।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री बांकुबिहारी सरकार ने बताया कि भारत में लगभग 600 मिलियन इंटरनेट उपभोक्ता हैं। भारत में डिजिटल साक्षरता की कमी है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के शिकार 80 प्रतिशत लड़कियाँ और 90 प्रतिशत 14 साल से कम आयु के बच्चे होते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन की हेड डॉ. मनीषा प्रकाश के स्वागतभाषण से हुई। उन्होंने कहा, "डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी विषय नहीं,

बल्कि जीवन का अभिन्नहिस्सा है। आज के समय में सभी को डिजिटल दुनिया से उत्पन्न खतरे से बचने तथा सही सूचना के चयन की जानकारी होना आवश्यक है। ”

कार्यक्रम के समापन से पूर्व क्विज का आयोजन किया गया।लगभग सभी प्रतिभागियों ने तकरीबन सही जवाब देकर साइबरसुरक्षा के प्रति अपनी सजगता दिखाई।जिसने सबसे तेज जवाब दिया, वह विजेता रहे। सिम्पलकुमारसुमन, आराध्यवत्स, तनुप्रिया, डॉ. शिवमरस्तोगी और अनन्या विजेता रहे।